***** हमारा नीरज *****

नीरज की जननी नमन तुम्हे
हीरे से पुत्र को जन्म दिया,
संस्कार ओर मेहनत से उसने
खेलों में इतिहास रच दिया,
दौड़ लगाकर भाले के सँग में
मस्तक संबका ऊँचा किया,
भाला फेंककर उसने दुनिया मे
डंका अपना बजा दिया,
इस जीत पर बरसों तक भारत
अपना गौरव दिखलायेगा,
आने वाली पीढ़ियों को भी
शौर्य की राह दिखलायेगा,
स्वर्ण पदक पाने की खुशी को
त्योहार की तरह मनाएगा,
इस ओलम्पिक की जीत के आगे
हर व्यक्ति शीश झुकायेगा,
भारत माता के हर कोने कोने में
स्वागत की अभिलाषा है,
स्वाभिमान और दृढ़ शक्ति से ही
नीरज ने परचम फैलाया है,
जीवन की मेहनत और ताकत से
आदर सभी का पाया है,
पसीना बहाकर पुरुषार्थ से हमने
जीत का बिगुल बजाया है.

✍ गोपाल कृष्ण व्यास